जापान के प्रधानमंत्री के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री का वक्तव्य

15 दिसम्बर, 2006
टोक्यो

मेरी जापान यात्रा के दौरान इस खूबसूरत शहर की यात्रा मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है।

सबसे पहले, मैं चाहूँगा कि प्रधानमंत्री श्री आबे मुझे तथा मेरे साथ आए शिष्टमण्डल का इस गर्मजोशी भरे स्वागत और सम्मानपूर्ण आतिथ्य के लिए मेरी दिली प्रशंसा व्यक्त करने की अनुमति दें।

प्रधानमंत्री और मैंने अभी-अभी दोनों देशों के परस्पर रिश्तों पर विचारों का सौहार्द्रपूर्ण, उपयोगी तथा व्यापक आदान-प्रदान किया है। हमने क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में परस्पर हितों के मुद्दों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री श्री आबे हमारे विचार-विमर्श के बारे में पहले ही जानकारी दे चुके हैं। इसलिए मैं केवल कुछ विशेष पहलुओं पर ही चर्चा करूँगा।

इन दो जीवन्त लोकतंत्रों की साझी महत्वाकांक्षाएं और मूल्य है, इसिलए हमें एक दूसरे के काफी सहयोग देना है। हमारे मिलत-जुलते राजनैतिक, आर्थिक और सामरिक हित और चिन्ताएं हैं। दोनों देश शान्ति, स्थिरता और एशिया में साझी समृद्धि के लिए आर्थिक जुडाव के प्रति कटिबद्ध हैं। निश्चय ही भारत और जापान एक दूसरे की प्रगति में परस्पर हितों के साथ स्वाभाविक साझीदार हैं। दोनों देश मिलकर काफी कुछ कर सकते हैं और करना भी चाहिए।

इस बिन्दु को विशेष महत्व देने के लिए हम दोनों ने एक सामरिक तथा वैश्विक साझीदारी स्थापित करने पर सहमति जताई है। हमारा प्रयास रहेगा कि द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर राजनीतिक तथा राजनयिक तालमेल को मजबूत बनाया जाए, हमारे रक्षा संबंधों को बढ़ाया जाए, आर्थिक रिश्तों को व्यापक बनाया जाए, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र मे सहयोग बढ़ाया जाए और दोनो देशों के लोगों के बीच सम्पर्कों का विस्तार किया जाए। भारत और जापान के रिश्ते आज बदलाव की दहलीज पर खड़े हैं और हमने इस ऐतिहासिक क्षण को मुट्ठी में कैद करने का निर्णय लिया है।

हम सब तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए दृढ प्रतिज्ञ हैं, चाहे ये किसी भी रूप में हो और चाहे कहीं भी अपना सिर उठाए। हमने नर संहार के शस्त्रों के प्रसार के खिलाफ मिलकर काम करने का निर्णय लिया है।

भारत-जापान व्यापक आर्थिक साझीदारी समझौते पर वार्ता की शुरूआत से दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों मे एक नए युग का शुभारंभ हुआ है। इसके जरिए हम इन रिश्तों को पूरी क्षमता और पूरे भरोसे के साथ विकसित कर सकेंगे।

हमने शैक्षिक तथा सांस्कृतिक रिश्तों तथा दोनो देशों के लोगों के बीच सम्पर्क तेजी से बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का फैसला लिया है। हम केवल नाममात्र के लिए वृद्धि नहीं चाहते हैं। इस प्रतिबद्धता को व्यक्त करने के लिए प्रधानमंत्री श्री आबे और मैने कल भारत-जापान मित्रता वर्ष-2007 तथा जापान में भारत महोत्सव का शुभारंभ किया।

अन्त में, मैं यह कहना चाहूँगा कि मैं अपनी इस यात्रा के निष्कर्षों से पूरी तरह संतुष्ट हूँ और मुझे इस बात की खुशी है कि प्रधानमंत्री श्री आबे ने अगले वर्ष भारत यात्रा पर आने के मेरे निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। माननीय प्रधानमंत्री महोदय, हम भारत-जापान साझेदारी के प्रति आपकी निजी प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि मैं भी हर संभव उपायों से आपकी भावनाओं के अनुरूप अपनी भावनाएं व्यक्त करूँगा।

*****